द्वितीय अध्याय

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

2.1 प्रस्तावना

शिक्षा हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और इसके बारे में आप उनसे ही जान सकते है जिसने किसी कारणवश शिक्षा ग्रहण नहीं करि या शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह गये है। परंतु आज के आधुनिक युग में शिक्षा ने एक नया आयाम ही प्राप्त कर लिया है।

आज शिक्षा प्राप्त करने का इतना आसान तरीका है कि आपको शिक्षा लेने के लिए कहि बहार जाने की जरूरत नहीं पड़ती। शिक्षा लेने के लिए बस घर बैठे ही आप शिक्षक से शिक्षा ग्रहण कर सकते है। और इस शिक्षा का नाम ऑनलाइन शिक्षा है।

आजकल के समय में इंटरनेट जैसी सुविधा सभी घरों में उपलब्ध रहती है। कोरोनाकाल के समय मे ऑनलाइन शिक्षा बहुत ही कारगार सिद्ध हो रही है। आजकल हर जगह चाहे गांव हो या शहर ऑनलाइन शिक्षा बहुत प्रचलित हो रही है।

देश हो या विदेश ऑनलाइन शिक्षा से आप कहीं भी जुड़ सकते हो। यह आज विद्यार्थियों के लिए बहुत ही लाभप्रद सिद्ध हो रही हैं।

बहुत से व्यक्तियों को तो यही नहीं पता रहता है कि ऑनलाइन शिक्षा कहते किसे है। क्योंकि उसका ताल्लुक इन सब चीजों से पड़ता ही नहीं, वो तो इनसब बातो से अनजान ही रहता है। ऑनलाइन शिक्षा का तात्प्रय स्कूल, विद्यालय या महाविद्यालय में जाकर जो नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण की जाती है उसके विपरीत है। ऑनलाइन शिक्षा मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से घर में ही अपने पाठ्यसामग्री का अध्यापन करना कहलाता है। इसमें ऑनलाइन ही पुस्तको, नोट्स आदि का इस्तेमाल करके शिक्षक द्वारा समझाया जाता है या फिर व्याख्यान किया जाता है।

ऑनलाइन शिक्षा में वीडियो कान्फ्रेंसिंग आदि टेक्नोलॉजी इस्तेमाल होती है और इसे ही ऑनलाइन शिक्षा कहा जाता है। ऑनलाइन शिक्षा में इंटरनेट सुविधा का महत्वपूर्ण योगदान जरूरी है, क्योंकि इसके बिना ऑनलाइन शिक्षा नहीं दी जा सकती।

2.1.1ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव- महामारी ने दुनिया भर में शिक्षा और शैक्षिक प्रणालियों को अत्यधिक प्रभावित कीया है। कोरोना के प्रभाव को कम करने की कोशिशों में दुनिया भर की शिक्षण संस्थानों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

1.077 बिलियन शिक्षार्थी स्कूल बंद होने के कारण प्रभावित हुए है। अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि विद्यार्थी शिक्षा कैसे ग्रहण करें। इसके लिए कई बड़ी संस्थओं ने इसका एक ही हल निकाला वो है ऑनलाइन शिक्षा जिसका असर हर जगह देखा जा सकता है।महामारी ने दुनिया भर में शिक्षा और शैक्षिक

प्रणालियों को अत्यधिक प्रभावित कीया है। कोरोना के प्रभाव को कम करने की कोशिशों में दुनिया भर की शिक्षण संस्थानों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

1.077 बिलियन शिक्षार्थी स्कूल बंद होने के कारण प्रभावित हुए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि विद्यार्थी शिक्षा कैसे ग्रहण करें। इसके लिए कई बड़ी संस्थओं ने इसका एक ही हल निकाला वो है ऑनलाइन शिक्षा जिसका असर हर जगह देखा जा सकता है।ऑनलाइन शिक्षा एक प्रकार से कम्प्यूटर के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा से प्राप्त की जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा के लिए कम्प्यूटर और कई तरह के गैजेट्स का सहारा लिया जाता है। पर इसके लिए इंटरनेट की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए, इस बात पर हमे ध्यान देना होगा।

एप या साफ्टवेयर का लाभ, डाटा की स्पीड पर निर्भर होता है। तभी तो इंटरनेट की सुविधा काफी जरूरी है। परंतु जब लोकडाउन जैसी परिस्थिति थी, तब इंटरनेट जैसी सुविधा में बहुत दुविधा उत्पन्न हो रही थी और इस बजह से नेट बहुत स्लो चल रहा था तो जाहिर ही हैं की इस बजह से कनैक्टिविटी भी धीमी होगी और शिक्षा पर असर पड़ेगा ।लोकडाउन जैसी तो अभी कोई परिस्थिति नहीं है, पर कोरोना जैसी घातक बीमारी ने अभी भी पीछा नहीं छोड़ा है।इसी के कारण ही स्कूल, विद्यालय और महाविद्यालय ने अभी भी स्थिति के नार्मल ना होने की बजह से ऑनलाइन शिक्षा को ही अपना बेहतर सहारा बनाया है जो कि सही है या नहीं ये तो प्रत्येक रूप से परिस्थिति के प्रभाव पर ही निर्भर करता है।

2.1.2 ऑनलाइन शिक्षा के लाभ- जैसा कि हम में से कई लोग जानते है कि ई-लर्निंग डिस्टेंट शिक्षा का एक रूप है। जहा शिक्षक दूर बैठे, चाहे वो जगह घर मे हो या घर के बहार कहि से भी अपने विद्यार्थी को शिक्षा प्रदान कर सकता है।इसके द्वारा शिक्षक और विद्यार्थी अपने विचारों को आदान प्रदान कर रहे है, जो कि शिक्षा को समझने का अच्छा जरिया है। ऑनलाइन शिक्षा के कई लाभ भी है, जो इस प्रकार है।

2.1.3 टेक्नोलॉजी से शिक्षा में बदलाव- बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी में भी कई बदलाव हुए है और इसके उपयोग भी बड़े है। टेक्नोलॉजी के वजह से शिक्षा लेने की पद्धति में भी बहुत से परिवर्तन देखने को मिले है। आज ऑनलाइन शिक्षा में उपयोग होने वाली शिक्षण सम्बंधित सामग्री, टेक्नोलॉजी से ऑनलाइन ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती है।

चाहे आप दुनिया के किसी भी कोने में ही क्यों ना हो, आप शिक्षण सामग्री को बस कुछ ही समय में दूसरे स्थान पर पंहुचा सकते है। जैसे कोई लिंक, शिक्षा समन्धित कोई वीडियो, कोई फाइल । ये सभी प्रकार ऑनलाइन शिक्षा को और भी रचनात्मक बनाते है।

ऑनलाइन शिक्षा से समय और पैसे दोनों की बचत ऑनलाइन शिक्षा से समय की बचत होती है। इसमें ना ही कोई दूर जाकर शिक्षा लेनी है और नाही ट्रांसपोर्ट का खर्चा करना है। यही नहीं ऑनलाइन शिक्षा में ट्यूशन या बड़े बड़े कोचिंग सेंटर का खर्च भी नहीं होता है।

ऑनलाइन ही सभी पढ़ाई हो रही है, जिसकी वजह से समय की बचत के साथ पेसों की भी बचत हो रही है। साथ ही विद्यार्थी अपने ही घर में सुकून से शिक्षा ग्रहण कर सकता है। ऑनलाइन शिक्षा के वजह से आने जाने की थकान और रोज के खर्चे से अच्छी खासी बचत हो जाती है।

किसी भी विषय पर या किसी भी शिक्षक से पड़ने का विकल्प ऑनलाइन शिक्षा का एक लाभ ये भी है कि आप के पास विकल्प रहते है। ऑनलाइन शिक्षा में आप कब किस शिक्षक या आप किस विषय की पढ़ाई करना चाहते है इसका विकल्प आपको पता है। आप आपके अनुसार इसे निश्चित कर सकते है। विषय को चुनने के साथ ही आप टॉपिक को चुन कर अपने शिक्षक से उस विषय पर विचार विमर्श कर सकते है।

2.2 अध्ययन का औचित्य -

आज की डिजिटल दुनिया में शिक्षा यह सुनिश्चित करके सार्थक बदलाव ला सकती है कि यदि छात्रों को जिस तरह से पढ़ाया जाता है, उस तरह से नहीं सीखते हैं तो उन्हें सीखने के नए तरीके से बढ़ाया जा सकता है। यह शैक्षिक बदलाव जब शैक्षिक सॉफ्टवेयर और उपयुक्त तकनीक में एकीकृत किया जाता है तो कम समय सीमा में सफल सीखने के परिणामों को सुरक्षित करते हुए सीखने को रोमांचक और सुखद बनाया जा सकता है। जबकि कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर यह लर्निंग के आधार के रूप में एक प्रशिक्षक के साथ अतुल्यकालिक या विलंबित तकनीकों का उपयोग करने के लिए उधार देते हैं और इस तरह ऑनलाइन चर्चा मंच ,इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें, ऑनलाइन परीक्षा और ग्रेडिंग ,ऑनलाइन सलाह, वेब लिंक आदि जैसे उपकरण शामिल है। दुनिया और भारत में भी शिक्षा प्रणाली द्वारा ऑनलाइन शिक्षण सीखने की मांग को तेजी से गले लगाया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के कारण जिसमें पारंपरिक कक्षा निर्देश के संचालन को शिक्षा की निरंतर वितरण के लिए एक विश्वसनीय साधन बना दिया है। कोविड-19 महामारी पर जिसने कक्षा में शिक्षा से ऑनलाइन सीखने में तेजी से बदलाव किया है। इस संकट में शिक्षा जारी रखने का एक ही तरीका है।

इसके अलावा जेवियर (2020) ने चर्चा की कि महामारी के कारण शिक्षण पद्धति में बदलाव आया है। इस स्थिति के जवाब में शिक्षक और छात्र काम कर रहे हैं और ऑनलाइन शिक्षण तकनीकों को सीखने और तलाशने के लिए विभिन्न आर के माध्यम से प्रशिक्षण के सेट में भाग ले रहे हैं जिससे शिक्षकों के साथ-साथ छात्रों को नई भूमिका के लिए शिक्षित और सक्षम बनाने का एक प्रयास माना जाता है।

इसलिए माध्यमिक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षण अधिगम के प्रति छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की राय पर यह अध्ययन महामारी और महामारी के बाद की अवधि में ऑनलाइन शिक्षण सीखने के माहौल के प्रति उनकी राय को जानने के लिए किया गया है।

ऑनलाइन शिक्षण और सीखना वह शिक्षा है जो व्यापक विश्व वेब पर होती है जिसे आमतौर पर इंटरनेट के रूप में जाना जाता है।

यह शब्द ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके काम और शिक्षा को बेहतर ढंग से संतुलित करना संभव बनाता है ताकि किसी भी चीज़ पर एब और ऑन करने की आवश्यकता न हो।

यह एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर प्रदान की गई एक शिक्षण पद्धति है जहाँ सूचना संचार प्रौद्योगिकी को सक्षमकर्ता के रूप में उपयोग किया जाता है।

यह आभासी शिक्षण का एक रूप है जिसका उपयोग व्याख्याताओं और प्रोफेसरों द्वारा छात्रों को जानकारी प्रदान करने के लिए किया जाता है।

ऑनलाइन शिक्षण और शिक्षण से तात्पर्य इंटरनेट पर होने वाली शिक्षा से है। अमेरिका और विदेशों में बड़ी संख्या में कॉलेज पारंपरिक आमने-सामने की कक्षाओं से पूरी तरह से ऑनलाइन, वेब-आधारित पाठ्यक्रमों की ओर बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा, जिसे अक्सर दूरस्थ शिक्षा या वेब-आधारित शिक्षा कहा जाता है, वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा का नवीनतम, सबसे लोकप्रिय रूप है। यह हाल ही में कई विश्वविद्यालय कार्यक्रमों का एक अभिन्न अंग बन गया है। यह पेपर ऑनलाइन शिक्षण और सीखने का संक्षिप्त परिचय प्रदान करता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ हस्टन के अनुसार-

ऑनलाइन लर्निंग (कभी-कभी दूरस्थ शिक्षा या दूरस्थ शिक्षा के रूप में भी जाना जाता है) वह शिक्षा है जो प्रशिक्षक या प्रशिक्षकों से अलग हुए छात्रों को निर्देश प्रदान करती है, और जो छात्रों और प्रशिक्षकों के बीच या तो समकालिक रूप से नियमित और ठोस बातचीत का समर्थन करती है (छात्रों की आवश्यकता होती है) प्रत्येक सप्ताह एक निर्दिष्ट समय पर लॉग इन करने और कक्षा में भाग लेने के लिए) या एसिंक्रोनस रूप से(ऑनलाइन शिक्षण जो छात्रों को प्रत्येक सप्ताह किसी भी समय शिक्षण सामग्री देखने की अनुमति देता है)। निर्देश के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं: इंटरनेट; खुले प्रसारण, बंद सर्किट, केबल, माइक्रोवेव, ब्रॉडबैंड लाइनों, फाइबर ऑप्टिक्स, उपग्रह, या वायरलेस संचार उपकरणों के माध्यम से एक-तरफ़ा और दो-तरफ़ा प्रसारण; ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग; और वीडियो कैसेट, डीवीडी और सीडी-रोम, यदि कैसेट, डीवीडी और सीडी-रोम का उपयोग ऊपर सूचीबद्ध प्रौद्योगिकियों के संयोजन में किया जाता है।

(अर्घोडे, ब्रीगर, और वांग, 2018)- ऑनलाइन शिक्षण को आज पारंपरिक कक्षा शिक्षा का एक प्रभावी विकल्प माना जाता है।

(रामकिसून, बेले, और भूरोसी, 2020)-उच्च शिक्षा संस्थानों में ऑनलाइन सीखने की मांग बढ़ रही है।

(डिक्सन, 2015)-हालाँकि, प्रभावी शिक्षण के लिए कुछ निश्चित स्थितियाँ होनी आवश्यक हैं। ऐसी ही एक शर्त है ऑनलाइन शिक्षण मंच पर शिक्षार्थियों की भागीदारी और जुड़ाव। पाठ्यक्रम और उनके सीखने के मार्ग से छात्रों की जुड़ाव बनाने के लिए छात्र जुड़ाव को एक आवश्यक तत्व माना जाता है।

(अर्घोडे एट अल., 2018,)-'शिक्षार्थी जुड़ाव शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रक्रिया है और यह दोनों शिक्षार्थियों की अपने सीखने पर कार्य करने की इच्छा और निर्देश देने में प्रशिक्षकों की प्रभावशीलता से प्रभावित होती है।

(पैडगेट, क्रिस्टान्चो, लिंगार्ड, चेरी, और हाजी, 2019)-शिक्षार्थियों की ज़रूरतों और ग्रहणशीलता को समझना मुख्य रूप से प्रशिक्षकों की भूमिका और सीखने की सहभागिता हासिल करने के लिए उनके निर्देशात्मक डिज़ाइन पर निर्भर करेगा। शिक्षा में संलग्नता मायने रखती है। यदि छात्रों में अपने पाठ्यक्रमों में भाग लेने और सहयोग करने की प्रेरणा, इच्छा है, तो इसका एक सफल परिणाम होगा।

(रेडमंड एट अल., 2018)-एक ऑनलाइन छात्र के लिए, सफलता के लिए पाठ्यक्रम में शामिल होना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

(मार्क्स, 2000)-शिक्षा को 'मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया, विशेष रूप से ध्यान, रुचि, निवेश और प्रयास जो सीखने के काम में खर्च करते हैं' के रूप में समझाया गया।

(डिक्सन, 2015)-ऑनलाइन सीखने के माहौल में शिक्षार्थियों को शामिल करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि छात्र अक्सर गैर-पारंपरिक वातावरण में अलग-थलग और अलग-थलग महसूस करते है। शिक्षार्थी की सहभागिता से सीखने में सुधार, बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और निर्देशात्मक प्रभावशीलता प्राप्त होती है। यह बेहतर छात्र जुड़ाव की दिशा में प्रशिक्षक की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डालता है। सीखने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से शिक्षार्थियों पर होती है। हालाँकि, प्रभावी शिक्षण परिणाम के लिए प्रशिक्षकों की भूमिका के महत्व को दरकिनार नहीं किया जा सकता है। जुड़ाव तब होता है जब छात्र सामग्री के साथ जुड़ जाते हैं और जब प्रशिक्षक शिक्षार्थियों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में ज्ञान का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

डिक्सन (2015) के अनुसार , शिक्षार्थी 'पाठ्यक्रम की सामग्री, पाठ्यक्रम के अन्य छात्रों और प्रशिक्षक के साथ सोचने, बात करने और बातचीत करके सक्रिय रूप से संलग्न होते हैं।' छात्रों की सहभागिता और सहभागिता प्रभावी अनुदेशात्मक डिज़ाइन के परिणामस्वरूप हो सकती है। चूंकि शिक्षार्थियों को संलग्न करने से कई लाभ जुड़े हुए हैं, इसलिए प्रमुख स्थितियों की पहचान करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है ताकि प्रशिक्षक सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बना सकें।

ऑनलाइन शिक्षण का कोई विशेष शैक्षणिक डिज़ाइन नहीं है। पारंपरिक शिक्षण वातावरण के समान, जहां अकादमिक सदस्य अपने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों, छात्रों के शैक्षणिक स्तर और अध्ययन के क्षेत्र के अनुसार विभिन्न शिक्षण विधियों का उपयोग करते हैं। ऑनलाइन सीखने के माहौल में अक्सर ऐसा ही होता है। एक पाठ्यक्रम में, ऑनलाइन शिक्षण पहलू का उपयोग आभासी मंच या किसी अन्य तकनीकी संचार माध्यम के माध्यम से प्रदान की जाने वाली शिक्षण सामग्री के उपयोग के साथ व्याख्यान की आमने-सामने डिलीवरी को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। एक अन्य पाठ्यक्रम में, कक्षा निर्देश को ऑनलाइन सीखने और सिखाने के साथ मिश्रित किया जा सकता है, इस तरह से 3-घंटे का पाठ्यक्रम दिया जाएगा, 2-घंटे कक्षा की व्यवस्था में और शेष एक घंटेऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से।

ऐसे भी मामले हैं जहां पाठ्यक्रम पूरी तरह से वर्चुअल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन वितरित किए जाते हैं। इसलिए एक विशिष्ट शैक्षणिक डिजाइन के अभाव में प्रशिक्षक शिक्षार्थियों के साथ ऑनलाइन जुड़ने के लिए विभिन्न निर्देशात्मक डिजाइनों का उपयोग कर रहे हैं।